केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 30 मंगलवार 19 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश: 6 आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पुलिस ने जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी लंबे समय से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने में सक्रिय थे। सोमवार को मूड़घाट, कोतवाली बस्ती के पास से गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोढ़री निवासी मनोज कुमार, भोपालपुर निवासी सुशील कुमार वर्मा, मड़वा नगर निवासी उमेश कुमार चौधरी शामिल हैं। इसके अलावा बाराबंकी के मोतीपुरवा निवासी उमेश कुमार, हसनापुर निवासी बाबूराम और बघौरा निवासी राजरानी को भी गिरफ्तार किया गया है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। मनोज कुमार, सुशील वर्मा, उमेश चौधरी और उमेश कुमार पर एक से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उमेश चौधरी पर पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाबूराम और राजरानी पर फर्जीवाड़े के मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक नगर चन्दन कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रामेश्वर सिंह, रामसजन, चन्द्रभान निषाद, कांस्टेबल वीरेन्द्र यादव, प्रमोद साहनी, शुभम सिंह और महिला कांस्टेबल विजयलक्ष्मी सिंह की टीम शामिल थी।

बहन की इज्जत बचाने गए भाई पर धारदार हथियार से वार, 8 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र में छेड़खानी का विरोध करने पर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना असनहरा गांव की है। पीड़ित नारायण ने 17 अगस्त 2025 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि साहिल और उसके परिजनों ने उनकी बहन से छेड़खानी की। जब उनके भाई ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित के भाई का हाथ का पंजा कट गया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह और क्षेत्राधिकारी रुधौली स्वर्णिमा सिंह के निर्देशन में कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक मोती चंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 18 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे असनहरा पोखरे के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया।

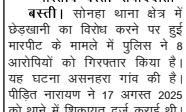

एक शिक्षक राजेन्द्र जैसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वतंत्र शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय की निः शुल्क शिक्षण यात्रा जारी है। एक प्रगतिशील किसान के रूप में सरकार से जिला स्तरीय अनेकों अवार्ड के साथ सर्वाधिक उत्पादन का पुरस्कार प्राप्त कर चुके स्वैच्छिक विद्यादानी शिक्षक राजेंद्र उपाध्याय ने अपने ढाई दशक के शिक्षण काल में बस्ती जिले सहित प्रदेश के लगभग पांच दर्जन से अधिक इंटर कॉलेज में हिंदी एवं जीव विज्ञान विषयों का बिना शुल्क लिए अध्यापन करते हुए एक विद्यादानी शिक्षक के रूप में कीर्तिमान स्थापित किया है। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सेठा गांव निवासी राजेंद्र उपाध्याय हिंदी एवं जीव विज्ञान दो विषयों में परास्नातक हैं और वह सन 2000 से लेकर आज तक विद्यालयों के शिक्षण कार्य कहीं न कहीं किसी इंटर कॉलेज में दोपहर के 2 घंटे हिंदी अथवा जीव विज्ञान विषय को इंटर के छात्र–छात्राओं को पढ़ाते रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी

नई दिल्ली (आभा)। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर राहुल गांधी और चुनाव आयोग में टकराव के बीच विपक्ष लामबंद दिखाई दे रहा है। जानकारी के मुताबिक इंडिया गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे कि लोकसभा चुनाव के दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में 'वोटों की चोरी' की गई।

राहुल गांधी का आरोप है कि चुनाव आयोग चुनावों के दौरान सत्ताधारी बीजेपी का समर्थन करता

है और वोटर डेटा में छेड़छाड़ करता है। बीते 7 अगस्त को राहुल गांधी ने दावा किया था कि बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा में 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई थी और यहां बीजेपी जीत गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने के नियम भी सुप्रीम कोर्ट के जजों की तरह ही हैं। आर्टिकल 324 (5) के तहत उनके खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। दोनों सदनों में बहस के बाद अगर प्रस्ताव के समर्थन में सदन के दो तिहाई सदस्य होते हैं तभी मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाया जा सकता है। इस प्रस्ताव को राष्ट्रपति मंजुरी देते हैं। नियम यह भी है कि प्रस्ताव जिस सत्र में लाया जाता है उसी में उसका पास होना भी जरूरी है।

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के इस दावे को भी हास्यास्पद बताया कि वह सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के बीच कोई अंतर नहीं करता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची संशोधन का उद्देश्य मतदाता सूचियों में सभी कमियों को दूर करना होता है ।

चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत, दे रहे पहरा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र में गत दिनों हुई चोरी की घटनाओं से समौड़ी गांव के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। चोरों के डर से, ग्रामीण ष्जागते रहोष् की आवाजें लगाकर एक–दूसरे को सतर्क कर रहे हैं। हाल ही में, चोरों ने थाना क्षेत्र के समौड़ी और देवरी गांव के दो घरों में चोरी की, जिससे लाखों रुपये के गहने और नकदी की चोरी हुई। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों की यह पहल काफी सराहनीय है। कहा कि पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पुलिस लगातार गश्त कर रही है, संदिग्धों पर नजर रख रही है, और सूचना जुटाने के लिए मुखबिरों का उपयोग कर रही है। इसके अलावा, पुलिस जनता से भी सहयोग मांग रही है, ताकि चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस गम्भीर है। जिसमें कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। गाँव के ओम जी मिश्र, लवकुश मिश्र, प्रमोद मिश्र, रवि मिश्र ने बताया कि बीते 13–14 अगस्त की रात को गांव के राम जियावन शुक्ल और बगल के गांव देवरी के राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल के यहां गहना और नकदी की भीषण चोरी से दहशत व्याप्त है स गांव की सुरक्षा की दृष्टिगत हम सभी ने रात में गश्त करने का निर्णय लिया और चोरी के दूसरे दिन से ही लगातार गश्त की जा रही है। गांव के रवीश मिश्र, विजय मिश्र, वेद मिश्र, उत्तम मिश्र ने बताया कि गश्त के दौरान देर रात आने–जाने वाली गाड़ियों की जांच पड़ताल ग्रामीणों द्वारा की जा रही है और संदिग्ध न मिलने पर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है। कहा कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति मिलता है तो पुलिस को सूचित किया जाएगा। बताया कि रात्रि गश्त के दौरान पुलिस की गाड़ियां भी गश्त करते हुए मिलती हैं जो की सुरक्षा के दृष्टि से काफी अच्छा है। गांव के सचिन मिश्र, गोपाल मिश्र, प्रशान्त आदि का कहना है कि दूर दराज के जिलों और अन्य प्रदेशों से आकर गांव–गांव फेरी लगाकर सामान बेचने वाले लोगों पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। पुलिस को भी चाहिए कि ऐसे लोगों पर पूरी नजर बनाए रखें क्योंकि इन अनजान लोगों के द्वारा कभी भी क्षेत्र में चोरी जैसी अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

दही हाण्डी फोड प्रतियोगिता में सूरज चौधरी विजेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व जनपद में उल्लास के साथ मनाया गया। गौर विकास खण्ड के जलेबीगंज में दही हाण्डी फोड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्र के अनेक युवकों ने दही हंडी फोडने के लिये पूरी ताकत लगा दिया। नागरिकों ने उनका उत्साहवर्धन किया। सूरज चौधरी दही हाण्डी फोडने में सफल रहे।

राज मंगल यादव के नेतृत्व में आयोजित दही हाण्डी फोड प्रतियोगिता में सूरज चौधरी ने अपने पूरे टीमके

साथ हिस्सा लिया। निखिल मौर्या, अवधेश वर्मा, आदित्य, अमर, एस चौहान, कुलदीप, अभिषेक,नितिन,राज, विवेक चौहान और समस्त ग्रामवासी लोग उपस्थित रहे।

पुण्य तिथि पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता और क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया गया। चित्रांश क्लब के प्रदेश अध्यक्ष रत्नाकर श्रीवास्तव 'आदर्श, और पूर्व अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव के संयोजन में क्लब पदाधिकारियों ने गांधी कला भवन के निकट स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया।

क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, अमृत पाल 'सनम' जी रहमान, अनिल पाण्डेय आदि ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता और क्रांतिकारी थे। नेताजी को उनके साहस, दृढ़ संकल्प और अद्वितीय रणनीतियों के लिए जाना जाता है। नेताजी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और देशवासियों के बीच देशभक्ति और बलिदान की भावना को जागृत किया। सुभाष चंद्र बोस का योगदान केवल उनके द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने भारतीयों के आत्मसम्मान, साहस और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। युवा पीढी को नेताजी से प्रेरणा लेकर मजबूत भारत के लिये आगे बढत रहना होगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को उनकी पुण्य तिथि पर याद करने वालों में मुख्य रूप से दीपू श्रीवास्तव, राजेश कैटर्स, अमरेश पाण्डेय, अखिलेश यादव, प्रदीप चौधरी राणा, अनिल यादव, धर्मेन्द्र, संदीप श्रीवास्तव, सुमित, धर्मेन्द्र भारद्वाज, सुमित यादव के साथ ही चित्रांश क्लब के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न: ग्रामीण छात्रों को मिला प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय समूह सहायता ट्रस्ट जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी के संयोजन में विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का परीक्षा केन्द्र उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी एकडेंगवा बनाया गया।

इसमें कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के अनेक विद्यालय व ग्रामीण अंचल के कई गांवों के बच्चों ने भाग लिया। परीक्षा दो पालियो में सम्पन्न कराया गया । परीक्षा के सम्बन्ध में जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी ने कहा कि सामान्य ज्ञान परीक्षा से बच्चों के मानसिक क्षमता में सुधार आत्मविश्वास में वृद्धि और विभिन्न विषयों के बारे में ज्ञान में वृद्धि होगी। छात्र–छात्राओं को सीखने के प्रति उत्सुकता बनता है और कौशल को बढ़ावा देता है ।

इस अवसर पर डीआरएम एस हॉस्पिटल के अध्यक्ष डॉक्टर प्रमोद चौधरी, अनिरुद्ध चौधरी, रमेश चंद्र वर्मा, तेजेंद्र निषाद,विनोद मौर्य,अमन चौहान, सूरज गौतम, राकेश चौधरी ,प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश चंद्र, कृष्ण कुमार पाण्डेय, राम भरत वर्मा, निजी विद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार यादव, गंगाराम वर्मा, राकेश कुमार चौधरी, कुलदीप शुक्ला शैलेंद्र शुक्ला विकास राणा संत बहादुर मनीष चौधरी विकास श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

डा. अल्का शुक्ला पर प्रसूता के गलत आपरेशन से मौत का आरोप:दलित वर्ग संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग किया कि निजी अस्पतालों में प्रसूताओं की जिन्दगी से खिलवाड़ कर मोटी रकम वसूलने वाले चिकित्सकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। जिला महिला अस्पताल के साथ ही सरकारी अस्पतालों में सक्रिय निजी अस्पतालो के दलालों पर अंकुश लगाया जाय। दलालों के चक्कर में फंसकर अनेक महिलाओं की मौत हो चुकी है।

ज्ञापन में साधू शरन आर्य ने कहा है कि दिनेश कुमार निवासी रेती चौक गोरखपुर ने गर्भावस्था में अपनी पत्नी वैशाली को उसके नैहर दक्षिण दरवाजा थाना पुरानी बस्ती भेजा था। बैशाली को गत 22 जुलाई 2025 को प्रसव हेतु महिला चिकित्सालय में ले जाया गया। यहां

–डाक्टर के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग

एक दलाल ने कहा कि सरकारी अस्पताल में कोई व्यवस्था नहीं है, प्रसूता को डा. अल्का शुक्ला के पास ले चलिये, वहां आसानी से आपरेशन हो जायेगा। परिवार दलाल के बहकावे में आ गया और वैशाली को लाइफ लाइन मेडिकल सेन्टर में भर्ती कराया गया। यहां डाक्टर अल्का शुक्ला ने वैशाली का आपरेशन हुआ, लाइफ लाइन मेडिकल सेन्टर किसान हाई स्कूल परिसर में वैशाली की तबीयत आपरेशन के बाद बिगड़ गयी। 26 जुलाई की रात में आपरेशन हुआ और सबेरे डा. अल्का शुक्ला और उनके पति डा. जीएम शुक्ला ने डाटकर और गालियां देते हुये कहा कि आपका मरीज ठीक है, चाहिये तो उसे सावित्री हास्पिटल गोरखपुर लेकर जाइये। यहां सावित्री हास्पिटल के चिकित्सकों ने बताया कि अब मरीज के बचने की संभावना नहीं है। यहां से वैशाली को लखनऊ हायर सेन्टर के लिये रेफर कर दिया गया। यहां 10 दिनों के इलाज के बाद 6 अगस्त को वैशाली ने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों का कहना था कि आपरेशन में डा. अल्का शुक्ला ने घोर लापरवाही किया है।

भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने मांग किया है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी महिला चिकित्सक डा. अल्का शुक्ला के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कड़ी कार्रवाई के साथ ही पीड़ित दलित परिवार को समुचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराया जाय। ज्ञापन सौंपने के दौरान अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, सोनू राव, रामधीरज चौधरी, महबूब आलम का. रामलौट आदि शामिल रहे।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी में बहरुपिया बन गया डाक्टर, मरीज की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में रविवार रात फर्जी डाक्टर मरीजों का इलाज करते पकड़ा गया। सांस की समस्या लेकर पहुंची मरीज रुधौली की निवासी 45 वर्षीय शीला की इलाज के दौरान मौत हो गई। कथित डाक्टर मृतका को रेफर करने की बात करने लगा तो परिवार के लोगों को शक हुआ।मुंह पर मास्क और गले में आला लटकाए शख्स से पूछताछ करने लगे तो वह भागने लगा। इस पर तीमारदारों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। तीमारदारों ने बताया कि उसके मुंह से शराब की गंध आ रही थी। पूछताछ

में पहले उसने बताया कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के बाद इटर्नशिप कर रहा है मगर मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने पल्ला झाड़ लिया। मृतका शीला के पति की तरफ से कोतवाली में तहरीर दी गई है। यह मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन बचाव की मुद्रा में आ गया है। लोग हैरानी व्यक्त कर रहे हैं कि इमरजेंसी में फर्जी डाक्टर इलाज कर रहा था और अस्पताल प्रशासन को इसकी भनक नहीं लगी।

यूरिया खाद संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने यूरिया खाद संकट को लेकर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि किसानों को तत्काल प्रभाव से यूरिया खाद उपलब्ध कराया जाय और खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की सरकार चाहे जितना दावा करे कि वह किसान हितों के लिये समर्पित है किन्तु सच्चाई ये है कि किसान यूरिया

खाद के लिये भटक रहा है और समस्या यथावत बनी हुई है।

डीएम को दिये 4 सूत्रीय ज्ञापन में यूरिया खाद की उपलब्धता बनाये रखने, कालाबाजारी रोकने, यूरिया खाद का मानक के विरूद्ध भण्डारण करने वाले लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से पतिराम आजाद, चन्द्रभान कन्नौजिया, डा. राम सजन सूर्यबंशी, उमेश शर्मा, वीरेन्द्र यादव, सर्वेश कुमार, रीतू वर्मा, कुसुम लता आदि शामिल रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षा मित्रों को दिया भावभीनी विदाई: योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को 30 जून को सेवानिवृत्त हुए शिक्षा मित्रों को सम्मानित किया गया । प्राथमिक विद्यालय कठैचा बिकास खंड बनकटी पर कार्यरत शिक्षामित्र चंद्रभान चौधरी तथा बिकास खंड कुदरहा के प्राथमिक विद्यालय मटिअरिया में कार्यरत शिक्षा मित्र बद्री प्रसाद चौधरी को जून 2025 को सेवानिवृत होने के उपरांत शिक्षामित्र संगठन के नेता रामधनी चौधरी तथा ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बनकटी राम अक्षैबर चौधरी के संयुक्त संयोजन में सम्मान और बिदाई समारोह का आयोजन किया गया ।

मुख्य अतिथि खंड बिकास अधिकारी बनकटी भवानी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा को सबल बनाने में शिक्षा मित्रों का महत्वपूर्ण योगदान है।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बिकास खंड बनकटी व जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव एवं शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राम पराग ने कहा कि शिक्षक की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती।

कार्यक्रम को शिक्षामित्र संगठन के वरिष्ठ नेता अनिल त्रिवेदी, शिक्षक संघ के संरक्षक रामचन्द्र शुक्ल शिक्षामित्र संगठन के अध्यक्ष राघवेंद्र उपाध्याय, शिक्षक संघ के नेता चंद्रशेखर शर्मा राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मोहम्मद इकबाल शिक्षामित्र संगठन के संरक्षक राकेश उपाध्याय ने भी संबोधित किया । संचालन करते हुये अतुल कृष्णराज ने हुए शिक्षामित्रों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुर्गेश राव मारूफ खान, मंजेश राजभर, आदित्यनाथ त्रिपाठी, नवीन चौधरी, रवि प्रताप सिंह, कविंद्र चौधरी, राम सहाय, उमेश चंद्र त्रिपाठी, मंजीता चौधरी, अशोक विश्वकर्मा, बालेन्दु, राजेश कुमार, जालंधर प्रसाद, पंचानन पाल, ब्रह्मदेव चौधरी कृष्ण मुरारी पाण्डेय, जसवंत कुमार, पवन चौधरी, पारसनाथ यादव, मंजू यादव, बिजय लक्ष्मी, सुभाष, शत्रुघ्न चौधरी, जगदीश चौधरी, अजीत चौधरी, मोहम्मद कामरान, आशा देवी, किरन शुक्ला, माया देवी सहित तमाम शिक्षा मित्र एवं शिक्षक मौजूद रहे ।

गन्ना विकास इण्टर कालेज संतकबीर नगर को षडयंत्रों से बचाने की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गन्ना विकास शिक्षा समिति खलीलाबाद संतकबीर नगर के प्रबन्धक शोभित कुमार शर्मा ने सोमवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मण्डल को पत्र देकर गन्ना विकास इण्टर कालेज संतकबीर नगर को अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा जालसाजी कर कब्जा कर लेने के षड़यंत्र मामले में न्याय की मांग किया है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मण्डल, प्रमुख सचिव, मण्डलायुक्त के साथ ही अनेक सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर प्रबन्धक शोभित कुमार शर्मा ने कहा है कि अमरेश कुमार सिंह और पारसनाथ गुप्ता आये दिन मनमाने ढंग से गन्ना विकास शिक्षा समिति का चुनाव कराने का आदेश अधिकारियों को भ्रमित कर कराते हैं और शासनादेश के विरूद्ध पुनः 24 अगस्त को चुनाव कराये जाने का निर्देश दिया गया है जबकि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है और बिना न्यायालय के आदेश के चुनाव कराया जाना या हस्तक्षेप करना विधि विरूद्ध है। इसे तत्काल प्रभाव से रोका जाय। पत्र में शोभित कुमार शर्मा ने कहा है कि अमरेश

–प्रबन्धक ने संयुक्त शिक्षा निदेशक को भेजा पत्र: चुनाव रोकने की मांग

कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय विद्या सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट बड़गो जनपद संतकबीर नगर और पारसनाथ गुप्ता आये दिन षड़यंत्र कर विद्यालय को हड़प लेना चाहते हैं। संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती और जिला विद्यालय निरीक्षक संतकबीरनगर एक ही कार्य के लिये दो अलग–अलग व्यक्तियों के प्रत्यावेदन पर चुनावी अधिसूचना जारी कर दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि स्व वित्त पोषित संस्था के लिये प्रशासन योजना लागू नहीं होती। उन्होने संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मण्डल से आग्रह किया है कि गन्ना विकास शिक्षा समिति खलीलाबाद संतकबीर नगर द्वारा संचालित गन्ना विकास इण्टर कालेज संतकबीर नगर को षड़यंत्रों से बचाया जाय और 24 अगस्त को चुनाव कराये जाने का निर्देश वापस लिया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 अगस्त 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

निशाने पर चुनाव आयोग

पिछले काफी समय से देश में स्वतंत्र, स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव के लिए लगातार आवाज उठाई जाती रही है। खासतौर पर ईवीएम के जरिए मतदान और मतों की गिनती को लेकर कई बार संदेह जाहिर किए गए। ऐसे आरोप सामने आए कि इसमें तकनीकी गड़बड़ी के जरिए या मतगणना में हेरफेर करके नतीजे प्रभावित किए जाते हैं। विडंबना यह है कि जब भी इस तरह के सवाल उठाए जाते हैं, तो आमतौर पर उन्हें निराधार मान कर खारिज कर दिया जाता है।

दलील यह होती है कि जो उम्मीदवार हारता है, केवल उसे ही शिकायत होती है। जरूरी नहीं कि ऐसे सभी आरोप सही साबित हों। मगर इसी बीच अगर कहीं से मतगणना और नतीजों में हेरफेर की कोई शिकायत हर स्तर की जांच–पड़ताल के बाद अंतिम तौर पर सही पाई जाए, तो ऐसे में समूची प्रणाली भी संदेह के घेरे में आती है। जाहिर है, इसके बाद फिर नतीजे और उसके आधार पर बनी सरकारें भी कठघरे में होती हैं। गौरतलब है कि हरियाणा के पानीपत जिले के ग्राम पंचायत बुआना लखू में सन 2022 में हुए सरपंच के चुनाव के बाद जब नतीजों की घोषणा हुई, तभी इस पर विवाद उठा था। वह मामला तब जिला अदालत से होते हुए आखिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

ऐसी शिकायतें अब तक शायद ही किसी अंजाम तक पहुंची हों। मगर इस मामले में शीर्ष अदालत के फैसले ने पहली बार ईवीएम से चुनाव और मतगणना पर उठने वाले सवालों को मजबूत आधार दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने खुद ईवीएम मंगवा कर अपनी निगरानी में मतों की फिर से गिनती करवाई और पहले के नतीजे से अलग परिणाम घोषित किया। इसमें परिणाम पलट गया और पहले हार चुके प्रत्याशी को सरपंच बनाया गया।

जाहिर है, शीर्ष अदालत की इस कवायद के बाद अब ईवीएम के जरिए डाले गए मत और उसकी गिनती से लेकर किसी प्रत्याशी की जीत–हार की घोषणा तक की समूची प्रक्रिया की पारदर्शिता पर अगर सवाल उठते हैं, तो उसे बेमानी या निराधार घोषित कर पाना मुश्किल होगा। इस पूरे मामले से यह भी जाहिर होता है कि किसी चुनाव की पूरी प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है, ताकि विवाद की स्थिति में उनकी जांच हो और सारे संदेह दूर किए जाएं।

भारत और अमेरिका की ट्रेड डील

डोनाल्ड ट्रंप की अस्थिर नीतियों की वजह से भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत अधर में लटक गई है। यह अनिश्चितता दोनों में से किसी भी देश के लिए ठीक नहीं। हालांकि अलास्का समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के प्रति ट्रंप का नरम रवैया थोड़ी उम्मीद जरूर जगाता है। ट्रेड डील के लिए अमेरिकी अधिकारियों को इसी 25 तारीख को भारत आना था, लेकिन मौखिक तौर पर बताया गया कि अब यह विजिट नहीं होगी। अभी तक नई तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, जिससे असमंजस बढ़ गया है। पहले माना जा रहा था कि अगस्त आखिर या सितंबर तक दोनों देश एक मिनी डील तक पहुंच जाएंगे। इसके लिए दोनों के बीच कई दौर की वार्ता भी हो चुकी है, लेकिन अब सबकुछ बिल्कुल थम जाना द्विपक्षीय रिश्तों के लिए सही नहीं।

व्यापारिक समझौते में क्यों अड़चन आ रही है, इस बारे में अब सभी को पता है, लेकिन भारत की चिंताओं को समझने और बातचीत के जरिये समाधान निकालने के बजाय ट्रंप दबाव की रणनीति अपना रहे हैं। मौजूदा संकट इसलिए भी ज्यादा उलझ गया है, क्योंकि चीन की बढ़ती मनमानी को रोकने के लिए भारत को अहम साझेदार मानने के बावजूद अमेरिका आपसी संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले कदम उठा रहा है। हालांकि इतिहास पर नजर डालें, तो वॉशिंगटन के लिए यह नई बात नहीं लगती। 80 के दशक के आखिर में भी अमेरिका को व्यापार घाटे की चिंता सता रही थी और तब उसके निशाने पर जापान था। उसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार मिला कि अगर कोई देश अमेरिका के खिलाफ अनुचित व्यापार नीतियां अपनाता है, तो उस पर टैरिफ लगाया जा सके। लेकिन, यह अधिकार मिलने के बाद तत्कालीन प्रेजिडेंट जॉर्ज एचडब्लू बुश ने जापान के साथ–साथ भारत और अमेरिकी सहयोगियों – यूरोप, दक्षिण कोरिया व ताइवान पर भी एक्स्ट्रा टैक्स लाद दिया। 1989 में जब उन्होंने भारत को टारगेट किया था, तब भी सरकार का यही कहना था कि वह किसी दबाव में नहीं झुकेगी।

डिजिटल युग में पर्यावरण की चेतना से जुड़े युवा पीढ़ी

—सुरेश सेठ—

अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है। ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए।

यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता हैकृवे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है। शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी।

अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है।

बीते वर्षों में अनेक राजनीतिक दलों ने शिक्षा क्रांति के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए हैं। यह कहा जाता है कि शिक्षा केवल निजी पब्लिक स्कूलों की बंधक नहीं होनी चाहिए। नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता–पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाजी न रहे। लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं, जिसकी कल्पना करके हमने निजी स्कूलों के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश की थी।

सवाल यह है कि इतने प्रयासों के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशक क्यों प्रवेश कर रहे हैं? क्या शिक्षा अब सेवा नहीं, एक लाभकारी व्यवसाय बन गई है? अब तो स्कूलों के बीच नए स्कूल खोलने की परंपरा–सी बन गई है। पहले जहां खेल मैदान हुआ करते थे, वहां अब नर्सरी और प्री–नर्सरी की कक्षाएं बन रही हैं। कहा जाता है कि निजी पब्लिक स्कूल एक लाभकारी सौदा बन चुके हैं। हर वर्ष इन स्कूलों की फीस और अन्य शुल्क बढ़ते जाते हैं। अब प्राइमरी कक्षाओं के साथ–साथ नर्सरी और प्री–नर्सरी भी 'खुलने' लगी हैं–जिनका मकसद शिक्षा कम, व्यापार अधिक लगता है।

संभावना है कि भविष्य में पुरानी शिक्षा प्रणाली अप्रासंगिक हो जाएगी और एक नई 'डिजिटल शिक्षा' उभरेगीकृजो डेटा, एल्गोरिदम और इंटरनेट के इर्द–गिर्द घूमेगी। ऐसे में स्कूलों में हरियाली, खेल मैदान और खुलापन खत्म न हो जाए, यह चिंता का विषय है। अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं पर्यावरण बलि का बकरा न बन जाए। कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह मानना कि केवल कुछ दिशा–निर्देशों का पालन कर लेने से पर्यावरण सुरक्षा हो जाएगी, पर्याप्त नहीं है। योजनाएं जब विस्तार लेती हैं तो व्यावसायिक हित हावी हो जाते हैं, और विशेषज्ञों की राय की अनदेखी शुरू हो जाती है।

पीठ ने माना कि स्कूल, छात्रावास व अन्य शैक्षणिक संस्थान पर्यावरणीय कानूनों के अधीन रहें और उन्हें पूर्व मंजूरी की अनिवार्यता से मुक्त न किया जाए। अधिसूचना में जो छूट दी गई थी, वह दोहरी मंजूरी प्रणाली में से पर्यावरणीय मंजूरी को हटा देती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह संशोधन संरक्षित क्षेत्रों और प्रदूषित इलाकों में पर्यावरण मूल्यांकन की प्रक्रिया को कमजोर करता है। इस छूट के पीछे कोई मजबूत तर्क नहीं है, केवल यह संभावना है कि यह निजी शिक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक निवेश को बढ़ावा देने का एक औजार बन जाए।

कोर्ट का संदेश साफ है शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण में। भावी पीढ़ी प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण की शिकार न बने, यही सुप्रीम कोर्ट और हर सजग नागरिक की अपेक्षा है।

कैसे सफल हो परमाणु हथियार मुक्त विश्व का संकल्प

—श्याम सरन—

क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है। सभी परमाणु–हथियार संपन्न देशों की भागीदारी वाली बहुपक्षीय वार्ताओं से ही परमाणु युद्ध के खतरे का समाधान संभव है।

परमाणु हथियार अब साइबर व उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। एक परमाणु–साइबर–स्पेस में यदि किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग व निर्णय–प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को कहीं अधिक बढ़ा देगा। बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमशः 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम – लिटिल बॉय और फैट मैन – की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी।

जैसे–जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें– वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया –वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है। युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए।

यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यतः अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा।

चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार–मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति–मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार–मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें।

बाद में, सदी के अंत में, में 'ग्लोबल जीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्लूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे। ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार–मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व–निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व–निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि–आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे। अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक–दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)। ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व–निवारण परमाणु पहल, द्वि–आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है?

क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है। सभी परमाणु–हथियार संपन्न देशों की भागीदारी वाली बहुपक्षीय वार्ताओं से ही परमाणु युद्ध के खतरे का समाधान संभव है।

शुरुआत परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच एक बहुपक्षीय समझौते से की जा सकती है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने में वे कभी भी पहल न करेंगे और आदर्श रूप से तो, वे उनका इस्तेमाल ही न करने या उपयोग करने की धमकी न देने का प्रण करें। इस किस्म का समझौता इन दिनों जारी लड़ाई में रूस को यूक्रेन के खिलाफ सीमित क्षमता के परमाणु हथियार के इस्तेमाल की बात करने से रोक सकता।

परमाणु युद्ध का खतरे बढ़ाने में तकनीक भी एक भूमिका निभा रही है। एक अपरिष्कृत किंतु अत्यधिक विनाशकारी अस्त्र बना सकने की तकनीक अब आसानी से उपलब्ध है। पूर्व–निवारण चोट दुश्मन राष्ट्र के खिलाफ तो कारगर हो सकती है, लेकिन गैर–राज्यीय ताकतों से निबटने में अप्रासंगिक हो जाती है। यह कल्पना की जा सकती है कि कोई आतंकवादी या जिहादी समूह किसी खतरनाक हथियार या अस्त्र को हथियाकर, उसे किसी दूसरे देश के क्षेत्र से, उसकी जानकारी और मिलीभगत के बिना भी, अपने लक्षित देश पर दाग दे। तब क्या उस देश के विरुद्ध परमाणु हथियारों से भी जाने वाली जवाबी कार्रवाई न्यायोचित होगी जिसकी भूमि का इस्तेमाल अस्त्र दागने में किया गया? यह कल्पना भी की जा सकती है कि परमाणु अस्त्र लक्षित देश के अपने क्षेत्र के भीतर से दाग दिया जाए। तब इस मामले में जवाबी परमाणु कार्रवाई का क्या अर्थ होगा?

परमाणु हथियार अब साइबर प्रणालियों के साथ भी जुड़ गए हैं और निशाना साधने के लिए उपग्रह प्रणालियों पर निर्भर हैं। पहले से ही एक परमाणु–साइबर–स्पेस अबाध क्रम प्रणाली मौजूद है और इस अबाधा क्रम में किसी भी बिंदु पर बनी रुकावट परमाणु हथियारों के आकस्मिक उपयोग किए जाने या फिर मिथ्या चेतावनी समय से पहले जवाबी कार्रवाई शुरू करने का कारण बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग और निर्णय–प्रक्रिया में कम हो रहा मानवीय दखल, परमाणु खतरे को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ा देगा। हम एक ऐसे भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं जिसमें हमारे अपने विनाश के बीज छिपे हैं। पवित्र स्मारकों पर श्रद्धासुमन से कहीं ज्यादा विचार करने लायक है हिरोशिमा और नागासाकी की भयावहता– एक ऐसी चेतावनी जिस पर ध्यान देना आवश्यक है।—लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं।

संघ की तारीफ के निहितार्थ

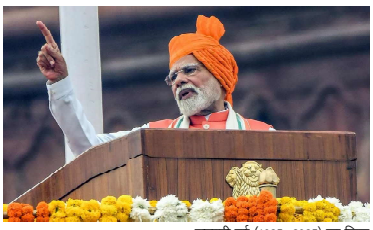

—कमलेश पाण्डेय—

देश–दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की, तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था, बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्हों ने दलित–पिछड़ों–अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ–भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया। वहीं, जो कांग्रेस मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघध्समाजवादियों के बढ़ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी।

यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया। वहीं, कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई। इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं।

पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925–2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफ की। चूंकि पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था, लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफ इस तरह से नहीं की थी। जबकि पीएम ने खुलेआम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है।

यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग–अलग मौकों पर बोले भी और इजकी जमकर सराहना की। इसी साल 30 मार्च को पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार संघ हेडक्वॉर्टर नागपुर, महाराष्ट्र भी गए। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। उससे पहले के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग–अलग इंटरव्यू में संघ के काम काज की भरपूर तारीफ भी की, ताकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बचकाना बयानों से जो दूरियां पैदा हुई और जनमानस में गलत संदेश गया उसकी भरपाई हो सके। वहीं, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का नाम लेने को संवैधानिक भावना का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने दावा किया है कि 4 जून 2024 के बाद से पीएम मोदी निर्णायक रूप से कमजोर पड़ गए हैं और 75 साल की उम्र 18 सितंबर 2025 को बीतने के बाद अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कृपा पर निर्भर है।

रेलवे स्टेशन पर युवक की संदिग्ध हालत में मिला शव, रस्सी से बंधे थे हाथ-पैर

संवाददाता–महराजगंज। घुघली क्षेत्र के हाल्ट रेलवे स्टेशन खुशहालनगर के पास सोमवार को एक युवक की लाश मिली। युवक के हाथ और पैर बंधे थे। इसके कारण उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। एसपी सोमेन्द्र मीना, एएसपी सिद्धार्थ, सीओ व एसओ घटनास्थल पर पहुंच गए। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी ने मातहतों को जरूरी निर्देश दिया।

खुशहालनगर के निकट पिलर संख्या 350ध्7 के पास एक युवक की शव लोगों ने देखा। युवक की उम्र करीब 22 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। घटना की सूचना घुघली रेलवे स्टेशन मास्टर ने थानाध्यक्ष घुघली को मेमो के जरिये दी। सूचना पर थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह व जखीरा चौकी प्रभारी धर्मेंद्र जैन मयफोर्स मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार खुशहालनगर रेलवे स्टेशन से 400 मीटर आगे कप्तानगंज की तरफ रेलवे ट्रैक के पोल संख्या 350ध्7 के किनारे इस युवक का शव पड़ा हुआ था। उसके दोनों हाथ व पैर बंधे थे। घटना की सूचना एसओ ने उच्चाधिकारियों के साथ फील्ड यूनिट को दी। सूचना पर एसपी, एएसपी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव की पहचान कराने की काफी कोशिश की, लेकिन कोई उसको पहचान नहीं सका। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

वाहन स्टैंड पर अवैध वसूली शुरू, चालकों ने डीएम से लगाई गुहार

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर में नगर पंचायत द्वारा वाहन स्टैंड पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत ने टैक्सी, प्रेमा, जीप और ई–रिक्शा स्टैंड पर वसूली शुरू कर दी है। यह कार्रवाई मार्च 2025 की घटना की पुनरावृत्ति है। उस समय प्रशासन ने इसे अवैध मानते हुए वसूली बंद कराई थी और संबंधित लोगों को गिरफ्तार किया था। वाहन मालिक और यात्री इस वसूली से नाराज हैं। चालकों का कहना है कि महंगाई और आर्थिक संकट के बीच यह वसूली उनकी आजीविका को प्रभावित कर रही है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत ने मनमाने तरीके से ठेका दिया है और इससे जनता को कोई सुविधा नहीं मिल रही है। प्रमोद कुशवाहा, राकेश यादव सहित कई लोगों ने जिलाधिकारी से अवैध वसूली रोकने और ठेका निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। एडीएम प्रशासन जैनेंद्र सिंह ने कहा कि चालकों के ज्ञापन की जांच कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टैंड केवल निर्धारित स्थलों पर ही संचालित किए जा सकते हैं।

कृषि मंत्री ने किया महुअवा बी पैक्स का निरीक्षण, खाद वितरण में अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

संवाददाता–महराजगंज। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महराजगंज के नौतनवा तहसील क्षेत्र में स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति बी पैक्स महुअवा का निरीक्षण किया। मंत्री ने सबसे पहले समिति पर खाद लेने आए किसानों से बातचीत की। उन्होंने खाद की कीमत और उपलब्धता की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने कार्यालय में बैठकर खाद खरीद चुके किसानों से फोन पर संपर्क किया।

हरदी डाली के एक किसान से बात की और खाद की कीमत पूछी। एक किसान ने बताया कि उसने 300 रुपये में खाद खरीदी। खाद वितरण और ओवर रेटिंग के मामले में मंत्री ने नौतनवा तहसीलदार और समिति के अधिकारियों को फटकार लगाई। कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि किसानों की आय दोगुनी हो। किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है।महराजगंज जिले में दर्जनों समितियों द्वारा खाद वितरण में अनियमितता बरती गई है। मंत्री ने इस मामले में रिकवरी के साथ–साथ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

रेलवे में ठेके पर चलने के लिए हायर किया कई कार लापता

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा के कुछ व्यक्तियों की कार एक व्यक्ति द्वारा गोरखपुर रेलवे में किराए पर चलाने के लिए ले जाया गया था। कार के मालिक तब हैरान व परेशान हो उठे जब अचानक कुछ कार का जीपीएस सिस्टम बंद कर दिया गया। अब ना ही कार का पता चल पा रहा है। ना ही कार को ठेके के नाम पर ले जाने वाले व्यक्ति का ही कोई सुराग लग पा रहा है। इसी मामले से संबंधित एक कार सोनौली पुलिस ने जीपीएस सिस्टम की ही मदद से कब्जे में ले लिया है। थक हारकर कार के मालिकों ने स्थानीय पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

कार मालिकों को शिकार बनाने वाला सरगना को जिले के कई थानों की पुलिस भी ढूंढ रही है। हालांकि अभी तक कहीं भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। नौतनवा के रहने वाले करीब छः कार मालिकों ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया तो मामला खुलकर सामने आ गया। कार मालिकों का बताना है कि जिले के ही रहने वाला कमलेश यादव ने नौतनवा के एक व्यक्ति की मदद से कार मालिकों से मीटिंग किया और उन्हें बताया कि गोरखपुर रेलवे में कार ठेके पर चलाने के लिए टेंडर मिला हुआ है।

इसमें रेलवे के अधिकारियो के चलने के लिए सौ से अधिक गाड़ियों की जरूरत है। उसका टेंडर उसके नाना जो बृजमनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं उनके नाम से हुआ है। यह सब बातें बता कर वह कस्बे से ही आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां एक एक कर गोरखपुर मंगा लिया। गाड़ी मालिकों को कार चलाने के नाम पर मिलने वाला पैसा कई महीनों से नहीं मिलने पर कमलेश यादव नामक व्यक्ति की खोजबीन शुरू हुई तो मामला कुछ और ही सामने आने लगा। गाड़ी मालिकों ने बताया कि उक्त व्यक्ति ने अलग–अलग जगह पर कार को गिरवी रख दिया है और उन लोगों से पैसा लेकर यहां वहां भाग रहा है। कार मांगने पर सिर्फ तारीख पर तारीख दे रहा है। कार किन–किन व्यक्तियों के पास रखा है? यह भी नहीं पता चल पा रहा है। पप्पू प्रसाद, सद्दाम हुसैन, सगीर अहमद, तय्यब अली एव जैद बेग आदि कार मालिकों ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम राव ने बताया कि मामले में शिकायती पत्र मि है। जांच की जा रही है। मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एक ही बाइक पर सवार थे 4 छात्र, ट्रैक्टर ट्राली से हुई टक्कर, एक की मौत, 3 घायल

संवाददाता–देवरिया। धोबी छापर गांव निवासी अजय मिश्रा का इकलौता बेटा पियूष मिश्रा (14) शिवाजी इंटर कॉलेज खुखुंदू में कक्षा नौवीं का छात्र था। वह सोमवार सुबह करीब आठ बजे साइकिल से खुखुंदू कालेज में पहुंचा। वहां से दोस्तों के साथ सोनू घाट जाते समय हादसे का शिकार हो गया। बाइक पर सवार चार छात्रों को ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही नौवीं कक्षा के छात्र पियूष मिश्रा (14) की मौत हो गई। जबकि उसके सहपाठी छात्र आकाश मद्धेशिया (18), शैफ अंसारी (16) और राज पटेल (16) घायल हो गए। घटना क्षेत्र के डुमरिया लाला मोड़ पर सोमवार सुबह नौ बजे हुई। मौके पर पहुंचे आसपास गांवों के लोगों ने एंबुलेंस से सभी को मेडिकल कॉलेज देवरिया भिजवाया। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में चीख–पुकार मच गई। उधर, घायलों का मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया गया। धोबी छापर गांव निवासी अजय मिश्रा का इकलौता बेटा पियूष मिश्रा (14) शिवाजी इंटर कॉलेज खुखुंदू में कक्षा नौवीं का छात्र था। वह सोमवार सुबह करीब आठ बजे साइकिल से खुखुंदू कालेज में पहुंचा। वहां से दोस्तों के साथ सोनू घाट जाते समय हादसे का शिकार हो गया। इंस्पेक्टर कल्याण सिंह सागर ने बताया कि सूचना पर पुलिस पहुंची थी।

विधायक के घर के पास खंभे से बांध गला कसकर चोर की हत्या, मांगता रहा जिंदगी की भीख

संवाददाता–बलरामपुर। शहर से सटे सदर तहसील के सामने स्थित कालोनी में सोमवार की सुबह छह बजे बेलवा सुल्तानजोत गांव निवासी 40 वर्षीय डब्लू पुत्र स्वर्गीय मुन्नन की बिजली के खंभे से बांध गला कसकर हत्या कर दी है। आरोप है कि वह सुबह चोरी करने आया था, जिसे पकड़ लिया गया। मुहल्लेवासियों की पिटाई से उसकी मौत हो गई। वहीं मृतक के परिवारजन का आरोप है कि डब्लू जब पकड़ा गया था, तो उसने घर पर फोन कराया था। वह अपनी जिंदगी की भीख मांगते हुए कहता रहा कि पुलिस के हवाले कर दो, लेकिन मारो नहीं। बावजूद इसके उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बेलवा सुल्तानजोत गांव के पूर्व प्रधान बब्लू ने बताया कि उनका भाई डब्लू नशा करता था। सोमवार सुबह पांच बजे वह घर से निकला था। एक घंटे बाद उनके बड़े भाई पप्पू के नंबर पर एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि हमने एक चोर को पकड़ा है, वह बता रहा है कि आपका भाई है। पीछे से डब्लू की आवाज आ रही थी कि मुझे मत मारो, पुलिस के हवाले कर दो। इसके बाद फोन कट गया। घर वाले डब्लू को खोजने लगे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह लगभग 10 बजे पता चला कि तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र के आवास के पीछे डब्लू का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे तो देखा कि उसके गले व हाथ पर रस्सी एवं गमछे से कसने के निशान हैं। आरोप है कि वहां रहने वाले प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक के घर में वह चोरी करने गया था। शिक्षक ने ही उसे मारने–पीटने के बाद हत्या कर दी है। मौके से पेयजल आपूर्ति की लोहे की छोटी पाइप व टोटी मिली है। शिक्षक का कहना है कि डब्लू यही चुराकर भाग रहा था। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। देहात कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बृजानंद सिंह ने बताया कि छानबीन की जा रही है।

दबंग किसी की जमीन पर न कर पाएं कब्जा –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान कई जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को इन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सबके जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनता दर्शन में सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी गरीब की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए।

सोमवार सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर किया गया था। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम योगी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की।

इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। गरीब की जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की तरह कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी मदद की जाए।

स्कूल में बुर्का डांस पर विवादः स्कूल प्रबंधन ने मांगी माफी, धार्मिक भावनाएं आहत करने का लगा आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संतकबीर नगर जिले के दुधारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिउटना स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम विवादों में आ गया है। समारोह के दौरान छात्रों द्वारा किए गए एक कथित बुर्का डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गरमा गया। वीडियो के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया। जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान छात्रों को काले कपड़ों में, चेहरे पर नकाब पहनाकर एक भोजपुरी गाने पर डांस कराया गया। वीडियो सामने आने के बाद कुछ लोगों ने इसे एक समुदाय विशेष की भावनाओं से जोड़ते हुए विरोध जताया। दुधारा थाने को सूचना दी। इसके बाद पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रबंधक सतवंत राव ने लिखित माफीनामा जारी किया। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तुति ईसाई धर्म की नन (छन्द) वेशभूषा पर आधारित थी। इसे केवल मनोरंजन के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था। किसी धर्म या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। प्रबंधन ने यह भी बताया कि कार्यक्रम का वीडियो एक छात्र ने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया था। जिसकी जानकारी मिलते ही उसे तुरंत डिलीट करा दिया गया। स्कूल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस तरह की गलती भविष्य में दोबारा नहीं होगी और कार्यक्रमों के आयोजन में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। प्रबंधन की ओर से अभिभावकों और स्थानीय लोगों से क्षमा याचना की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने पूरे मामले में स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि वायरल वीडियो की जांच कराई गई है। इसमें धार्मिक भावनाएं आहत करने की कोई ठोस बात सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि जांच में सामने आया कि कार्यक्रम में बच्चों ने नन डांस का रूपांतरण किया था। जिसमें उन्होंने काले वस्त्र पहन रखे थे। चेहरा ढका हुआ था। यह वीडियो बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था। लेकिन जानबूझकर किसी धर्म विशेष को लक्षित करने की मंशा नहीं पाई गई। पुलिस की ओर से यह भी कहा गया कि मामले को सोशल मीडिया पर बढ़ा–चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

खुले नाले में गिरा साइकिल सवार, लोगों ने बचाया

संवाददाता–गोरखपुर। वार्ड संख्या 20 लच्छीपुर के राजेंद्रनगर पूर्वी में सोमवार की सुबह साइकिल सवार बुजुर्ग खुले में गहरे नाले में जा गिरे। आसपास के लोगों ने हादसा देख तत्काल बचाव में आगे आए और बुजुर्ग को नाले से निकाल लिया। यही नहीं विडियो बना कर लोगों ने वायरल भी कर दिया। आपका अपना अखबार वायरल वीडियो की पुष्टी नहीं करता लेकिन चश्मदीदों ने बताया कि हादसा उनकी आंखों के समक्ष हुआ। हालांकि यह पहला हादसा नहीं है, इसके पूर्व में भी वाहन चालक इस खुले नाले में गिर चुके हैं। गोरखनाथ बरदगवा मार्ग से चंद्रा पेट्रोल पम्प के निकट यूनियन बैंक सामने से मार्ग भगवती चौक की ओर जाता है। इसी मार्ग पर तकरीबन 100 कदम आगे बढ़ने पर जायसवाल आटा चक्की है। हादसा इसी आटा चक्की के समक्ष हुआ। पीड़ित 50 से 55 साल का व्यक्ति साइकिल से बरगदवा रोड की ओर जा रहा था कि अचानक किसी वाहन से स्वयं को को बचाने में साइकिल लिए हुए नाले में जा गिरा। हादसा तकरीबन 10.30 बजे हुआ। लिहाजा आसपास की दुकानों और आटा चक्की संचालन आगे आए और व्यक्ति को नाले से बाहर निकाला। कुछ देर स्वयं को संयमित कर व्यक्ति साइकिल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ गया। हालांकि इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है, उनका कहना है कि पिछले दिनों मासूम आफरीन की मौत के बाद नगर निगम जागा नहीं है। जहां व्यक्ति गिरा पार्षद सतीश चंद ने पहले ही नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा से भी वहां खुले नाले पर स्लैब रखवाने की मांग की थी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। कई स्थानों पर खुला है नाला राजेंद्रनगर पूर्वी में बरगदवा रोड यूनियन बैंक के समक्ष जुड़ने वाले इस मार्ग पर सड़क पर गहरा नाला है। यह नाला कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त और खुला हुआ है। पिछले दिनों आफरीन की अकाल मौत के बाद नगर निगम ने यहां क्षतिग्रस्त और खुले नाले के कुछ हिस्से पर बांस की मदद से बैरिकेडिंग की लेकिन सड़क के शेष हिस्से में नाला कई स्थानों पर खुला हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले की सफाई भी नहीं की गई है जिससे काफी गंदगी और शिल्ट भी नाले में जमा है। बोले स्थानीय नागरिक हादसे के चश्मदीद आटा चक्की संचालक विरेंद्र कुमार जायसवाल और जनरल स्टोर संचालक संजय कुमार गुप्ता कहते हैं पहले भी कई बाहन चालक इस मार्ग के खुले नाले में गिर चुके हैं। हम सब भयभीत रहते है कि कोई बड़ा हादसा न हो जाए। पिछले दिनों निराश्रित कुत्ते के दो पिल्ले गिर गए, निकालते निकालते एक की मौत हो गई। निराश्रित गोवंश भी कई बार गिर चुके हैं।

ट्रेन से गिरकर श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या से मुंबई जा रही साकेत एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर एक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार को अयोध्या–प्रयागराज रेलखंड के रामनगर मंगारी के पास हुआ। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड के खीरी गढ़वाल जिले के नरेंद्र नगर के निवासी गनय सिंह रावत राम मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रयागराज जा रहे थे।

घटना की जानकारी मिलते ही पीआरवी 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मी कमला प्रसाद, गिरिराज और दिनेश तिवारी ने घायल श्रद्धालु को तुरंत बीकापुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, समय रहते पुलिस पहुंची और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे उनकी जान बच सकी। रेलवे और पुलिस–प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एशियन फर्टिलाइजर में गैस रिसाव से बच्चे बीमार, 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

संवाददाता–गोरखपुर। चौरी चौरा थाना क्षेत्र के देव कहिया में सोमवार को एशियन फर्टिलाइजर की गैस छोड़ने से 14 बच्चे की तबीयत बिगड़ गई। मौके पर ग्रामीणों ने अधिकारियों को सूचना दिया। जिसके बाद सूचना मिलते ही एसडीएम चौरी चौरा कुंवर सचिन सिंह, प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस से बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जहां पर इलाज चल रहा है।

फिल्मी कलाकारों की रामलीला के लिए 22 अगस्त को होगा भूमि पूजन

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में फिल्मी कलाकारों की रामलीला पुनः सरयू तट पर स्थित रामकथा पार्क में होगी। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में 22 सितम्बर से दो अक्तूबर तक चलने वाली रामलीला के लिए भूमिपूजन 22 अगस्त को सुबह 9 बजे होगा। महापौर महंत गिरीश पति तिवारी मुख्य अतिथि होंगे। इस बार की रामलीला में परशुराम को रोल बालीवुड के महाभारत सीरियल में दुर्योधन बने चरित्र नायक पुनीत इस्सर निभाएंगे। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक बाबी ने बताया कि रामलीला में श्रीराम का रोल फिल्मी कलाकार राहुल भूचर और प्रेम बर्मन कर रहे हैं। सीता का रोल अर्चना दिल्ली की कलाकार करेंगी।

रावण का रोल मनीष शर्मा करेंगे। रामलीला के सजीव प्रसारण के दर्शकों की संख्या हो चुकी है 50 लाख के पार बताया गया कि लीला का लाइव प्रसारण शाम 7 से रात 10 बजे तक दूरदर्शन और अयोध्या की रामलीला के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। कमेटी के महासचिव शुभम मलिक ने बताया कि रामलीला का सजीव प्रसारण देखने वालों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच चुकी है। इस बार यह संख्या 60 लाख के पार जा सकती है। अयोध्या की रामलीला के मुख्य संरक्षक प्रवेश वर्मा और बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के संरक्षण में लीला का आयोजन किया जाएगा। लीला में सांसद रवि किशन केवट, मनोज तिवारी बाली और बिंदु दारा सिंह भगवान शंकर की भूमिका निभाएंगे। मां वेदवती की भूमिका में भाग्यश्री और मां शबरी की भूमिका में मालिनी अवस्थी दिखेंगी। रामलीला मंचन बॉलीवुड की प्रणाली से प्रतिस्पर्धा करती साज–सज्जा, उन्नत सिनेमेटोग्राफी और सटीक पटकथा के साथ सितारों की रामलीला का विशेषता इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म एवं दूरदर्शन पर जीवंत प्रसारण में भी शामिल है।

सरयू नदी फिर ऊफान पर गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा क्षेत्र में सरयू नदी के जलस्तर में दोबारा तेजी ऊफान आ गया है। नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर ने नदी की धारा और एमबीडी महाबांध के बीच बसे 22 गांवों के चारो तरफ नदी का पानी तेजी के साथ भर रहा है। नदी का तेजी के साथ पुनः बढ़ता जलस्तर देख मांझवासी चिन्तित नजर आ रहे है। मांझा क्षेत्र में बसे गायघाट दक्षिणी, दौलतपुर आदि गांवों की तरफ जाने वाले संपर्क मार्गो पर नदी का पानी भरने लगा है। विदित हो कि बीते 48 घंटे से सरयू के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

नदी का जलस्तर जिस तेजी के साथ बढ़ रहा है उससे एमबीडी महाबांध के बीच बसे तुर्कवलिया नायक, ढोलबजा, गुनवतिया, सीयर कला, कंचनपुर, गायघाट दक्षिणी, कटहा खौरगाढ़, दौलतपुर, आगापुर–गुलहरिया, कंचनपुर, नरायनपुर, छपरामगर्वी के कुर्मियान टोला, चपरापूर्वी–पटहार टोला, माझा चहोड़ा सहित छोटे–छोटे करीब डेढ़ दर्जन गांवों के चारो तरफ नदी का पानी फिर फैलने लगा है। गायघाट दक्षिणी को महाबांध से जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर पानी भर गया है। अगर जलस्तर बढ़ने का अगर यही क्रम जारी रहा आने वाले अगले 48 घंटे के भीतर उक्त गांवों के भीतर तक नदी का पानी पहुंच जाएगा और गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग भी पानी में डूब सकते हैं। उक्त गांवों के लोगों को घर से पलायन कर सुरक्षित स्थान पर ठिकाना बनाकर गुजर करना मजबूरी बन जाएगी। वैसे अभी उक्त गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। इस सम्बन्ध में एसडीएम धनघटा का कहना है कि नदी के जलस्तर पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं सिंचाई विभाग की टीम नदी के जलस्तर की पल–पल निगरानी कर रिपोर्ट दे रही है। एसडीएम ने कहा कि अभी बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। प्रशासन बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

करंट से गर्भवती महिला की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। मैली गांव में सुबह 10 बजे नल से पानी भरते समय करंट लगने से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान 24 वर्षीय काजल सिंह के रूप में हुई है। वह शिवांग सिंह की पत्नी थी। काजल सुबह स्नान के लिए नल से पानी भर रही थी। इसी दौरान नल में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गई। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैसर बाजार ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। काजल की शादी शिवांग सिंह से 3 साल पहले हुई थी। वह 7 माह की गर्भवती थी। घोरांग गांव निवासी दीनानाथ की बेटी काजल अपने पति और सास संध्या देवी के साथ खुशी–खुशी रह रही थी। परिवार आने वाले बच्चे की खुशियां मना रहा था। सूचना मिलने पर धनघटा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यूरिया की किल्लत से किसान परेशान, लग रही लाइन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पिछले दिनों हुई अच्छी बारिश से जिले के किसानों को धान की फसल में यूरिया छिड़काव की सख्त जरुरत है। ऐसे में यूरिया खाद की मांग बढ़ गई है। जिले के अधिकांश साधन सहकारी समितियों से यूरिया नदारद है। जहां उपलब्ध है वहां किसानों की लंबी लंबी लाइन लग रही है। लाइन में घंटों मशक्कत के बाद भी एक से दो बोरी यूरिया मिल रही है। वहीं अधिकतर किसान लाइन में लगने के बाद भी खाद न मिलने से निराश हो वापस घर लौट रहे हैं। जिले में सहकारी समितियों और प्राइवेट दुकानों पर खाद के लिए भीड़ उमड़ रही है।

कई समितियों पर खाद न होने से ताला लटका हुआ है। परेशान किसान शासन–प्रशासन को कोसते हुए मजबूरन निजी खाद दुकानों से खरीद के लिए परेशान हैं। वही मौके का लाभ उठाकर कुछ निजी दुकानदार मनमानी कीमत पर खाद बेच रहे हैं हालांकि प्रशासन ऐसे दुकानदारों पर नकेल कसने के लिए राजस्व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा रखी है। अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जल्द ही समितियों पर खाद उपलब्ध हो जाएगी। सहकारी समिति पकड़ी में यूरिया तो उपलब्ध रही लेकिन कम पहुंचने से किल्लत बरकरार है। यहां पर यूरिया खाद के लिए किसानों की भीड़ जुटी रही। क्षेत्र के महुलानी के किसान जैसराम, मुड़िला के राम किशोर और राजाराम, दुमदुमवा के गया प्रसाद खाद के लिए आए थे। आधारकार्ड लेकर काउंटर पर खाद के लिए संघर्ष कर रहे थे। किसानों ने बताया कि खाद की किल्लत से काफी परेशानी है। खाद कम मात्रा में उपलब्ध होने से किसानों को घंटों लाइन में लगने के बाद यूरिया न मिल पाने से अधिकांश को निराश होकर घर लौटना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से इस समस्या को जल्द दूर करने की मांग की है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
क0 वाद सं0 85/2025
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया जिला–बस्ती
प्रभावती
बनाम
अजय कुमार आदि

1. अजय कुमार 2. राजेश कुमार 3. उमेशधर पुत्रगण कुद्दू उर्फ रामजग्य 4. श्याम किशोर 5. श्याम बिहारी पुत्रगण बुद्धू 6. सत्य प्रकाश 7. नवल किशोर 8. धनतेरस पुत्रगण स्व0 नरसिंह साकिनान मौजा बनकटा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 9. संतोष सिंह पुत्रगण स्व0 राममिलन निवासी ग्राम गडहा गौतम तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 10. ग्राम प्रधान बनकटा जरिये प्रधान निवासी बनकटा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 11. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 23–08–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
क0 वाद सं0 T 20151714016321
धारा 176 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया जिला–बस्ती
शब्बीर अली
बनाम
मो0 शरीफ आदि

1. मो0 शरीफ उर्फ जुगुनू पुत्र घुटटूर उर्फ हासिम 2. शकील अहमद 3. इब्राहिम पुत्रगण कासिम 4. मोहब्बत अली 5. शौकत अली 6. लियाकत अली 7. आबिद अली 8. मु0 सलीम पुत्रगण इस्माइल 9. अब्दुल मोबिन पुत्र युसुफ 10. कुमारे 11. चैतू पुत्रगण चन्द्र निवासीगण ग्राम गोरया तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–08–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–338/2015
चुल्हई आदि
बनाम
मिट्ठू आदि

1/1 रंजीत 1/2 राजेन्द्र प्रसाद 1/3 रामगरीब पुत्रगण स्व0 मिठ्ठू 1/4 श्रीमती कलावती देवी पत्नी स्व0 मिठ्ठू निवासीगण ग्राम बेलवरिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जाय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–132/2024
पंकज सिंह
बनाम
प्रताप नरायण सिंह आदि

1. प्रताप नरायन सिंह पुत्र पारसनाथ सिंह 2. विनोद कुमार 3. पवन कुमार 4. चन्दन पुत्रगण जगदेव साकिनान ग्राम जिवपुर पोस्ट दुबौलिया बाजार तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको आज 30 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज के जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 163/2025
श्रीमती बीना चौरसिया–सायलान

1. श्रीमती बीना चौरसिया आयु 45 वर्ष पत्नी स्व0 राज कुमार चौरसिया 2. अंजलि चौरसिया आयु 25 वर्ष 3. अर्पिता चौरसिया आयु 23 वर्ष पुत्री स्व0 राज कुमार चौरसिया 4. सत्यम चौरसिया पुत्र स्व0 राज कुमार चौरसिया नाबालिग जरिये संरक्षक माता श्रीमती बीना चौरसिया पत्नी स्व0 राज कुमार चौरसिया समस्त निवासीगण मोहल्ला आगा दरिया खां पिकौरादत्तू राय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–09–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 15–09–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com